International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

इंदौर जिले में औद्योगिकरण के द्वारा महिलाओं के परिवार पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन

शोधार्थी
जेबा पटेल
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर

निर्देशिका
डॉ0 माधुरी पुराणिक
विभागाध्यक्ष
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर

प्रस्तावना :–

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन ''इंदौर जिले में औद्योगिकरण के द्वारा महिलाओं के परिवार पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन'' पर लघु शोध अध्ययन को पूर्ण किया जाएगा। इस लघु शोध अध्ययन के अंतर्गत इंदौर जिले में जितने भी औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं के परिवारों पर कई प्रकार के परिवर्तन दिखाई दे रहे है। जिसमें इनकी परिवार की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन मजबूत हो रही हैं, साथ ही ये सशक्त भी हो रही हैं, आत्मनिर्भर भी हो रही है, ये इनके स्वयं के निर्णय भी ले रही हैं आदि ऐसी कई प्रकार क परिवर्तन हैं, जो इन महिलाओं में स्पश्ट रूप से देखे जा सकते है। आज ये महिलाऐं उनके स्वयं के खर्च उठा रही हैं, घर में परिवार को संभाल रही हैं। इंदौर जिले में तेजी से होते औद्योगिकीकरण (Industrialization) का परिवारिक संरचना, जीवन शैली और सामाजिक ताने–बाने पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यहाँ पिछले कुछ वर्षों में 15 से अधिक नए इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित हुए हैं और 700 से अधिक नई इकाइयां सक्रिय हैं, जिसने कृषि–आधारित समाज को औद्योगिक समाज में बदला है।

इंदौर में औद्योगिकीकरण का परिवार पर प्रमुख परिवर्तन :–

संयुक्त परिवारों का विघटन और एकल परिवार में परिवर्तन :– काम की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं के पलायन के कारण, पारंपरिक संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और एकल परिवार (Nuclear Families) बढ़ रहे हैं।

महिलाओं की भूमिका में परिवतन :– औद्योगिक क्षेत्रों (जैसे पीथमपुर, सांवेर) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो रही हैं, लेकिन उन पर घर और दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी का दबाव भी बढ़ा है।

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

जीवन स्तर और उपभोग में परिवर्तन :– आय में वृद्धि के साथ परिवारों के जीवन स्तर (Standard of Living) में सुधार हुआ है। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी सुविधाओं तक पहुँच बढ़ी है।

बच्चों के पालन–पोषण में परिवर्तन :– एकल परिवारों और कामकाजी माता–पिता के कारण बच्चों की देखभाल के लिए क्रेच (Creche) या आया पर निर्भरता बढ़ी है।

सामाजिक अलगाव और भागदौड़ में परिवर्तन :– शहरीकरण के कारण पारंपरिक सामाजिक रिश्ते कमजोर हुए हैं। जीवनशैली मशीनी और समय–आधारित हो गई है, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच संवाद कम हुआ है।

आवास और महंगाई का दबाव और परिवर्तन :– औद्योगिक विकास के कारण इंदौर में जनसंख्या बढ़ी है, जिससे आवास की कमी, छोटे घर और महंगाई की समस्या उत्पन्न हुई है।

आज इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं चाहे वो ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती हो या फिर शहरी क्षेत्रों में इनके जीवन में होने वाले परिवर्तन ही राष्ट्रीय में परिवर्तन को माना जा रहा है। हम हमारे चारों ओर बड़े उद्योगों तथा सूचना–प्रौद्योगिकी केन्द्रों से लैस शहरों को प्रगति करते हुए देखते हैं, फिर भी ग्रामीण विकास को ही आज अधिक महत्व दिया जा रहा है। आज भी भारत की दो–तिहाई जनसंख्या कृषि पर आश्रित है, जिसकी उत्पादकता अभी भी इतनी ही है कि उससे सबका निर्वाह भी नहीं हो पाता। इसी कारण से देश की एक–चौथाई जनता अभी भी घोर निर्धनता में रहती है। यदि हम भारत की वास्तविक उन्नति चाहते हैं, तो हमें अधिक से अधिक मात्रा मं हर क्षेत्र में हर प्रकार से औद्योगिक संस्थाओं का निर्माण करना होगा, जिससे अधिक से अधिक मात्रा में महिलाऐं कार्य कर सके।

इंदौर जिले के में अधिकतर क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है, लेकिन ये स्थान ऐसे है, जिनमें अधिक से अधिक मात्रा में औद्योगिक क्षेत्र दिखाई देता है, जिनमें अधिक से अधिक मात्रा में महिलाओं के द्वारा कार्य किया जाता है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने से हर महिलाओं के जीवन में कुछ न कुछ बदलाव अवश्य दिखाई दे रहा है, जिनमें

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

से प्रमुखतः उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार, वित्त की स्थिति में परिवर्तन, समाज में बदलाव, उनकी आवश्यकताओं को आसानी से पूर्ण करना इसके अलावा हर क्षेत्र में कार्य करने अतुरता, बातचीत का नजरीया में बदलाव, स्वयं का रोजगार स्थापित करना, आवश्यकता होने पर दूसरे लोगों को मदद करना, शैक्षणिक स्थिति में बदलाव आदि ऐसे कई सारे प्रमुख मुद्दे है, जिनमें महिलाओं में बदलाव प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता दे रहा है। इस तरह से आज इंदौर शहर में जो महिलाऐं औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रही है, उनके कई प्रकार के नवीन परिवर्तन दिखाई दे रहे है, जो की परिवर्तन की लहर का साबित कर रही है।

मेरे द्वारा चयनित लघु शोध अध्ययन के द्वारा यह जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, कि इंदौर जिले में औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं की आर्थिक स्थिति के माध्यम से इन महिलाओं में जागरूकता आ रही है या नहीं।

इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए मेरे द्वारा कुछ सामान्य प्रश्नों के माध्यम से इनके जीवन में होने वाले परिवर्तन को देखा जा सकता हैं, जो कि इस लघु शोध का मुख्य उद्देश्य है।

तालिका क्रं. 00.01

क्या आपके क्षेत्र में कोई औद्योगिक क्षेत्र है ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	80
2	नहीं	20
	कुल योग	100

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के अनुसार प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2023

उपरोक्त तालिका क्रं. 00.01 से स्पष्ट होता है कि इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानाद हैं कि वे जिस जगह पर रहती हैं उनके आस पास अनेक प्रकार के औद्योगिक क्षेत्र है, ऐसा मानने वाले 80 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाऐं है,

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

जबकि 20 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाओं का मनाना हैं कि उनके क्षेत्र में कोई भी औद्योगिक क्षेत्र नहीं है।

यह माना जा सकता हैं आज इंदौर जिले के अनेक स्थानों पर औद्योगिक क्षेत्र स्थापित हैं। इनके औद्योगिक क्षेत्रों के होने के कारण इनके जीवन में अनेक प्रकार के परिवर्तन हो स्पश्ट रूप से देखा जा सकता हैं। आज ये औद्योगिक क्षेत्रों के होने से आसपास भी अनेक प्रकार के परिवर्तन हुए हैं। इन महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार के परिवर्तन हुए हैं

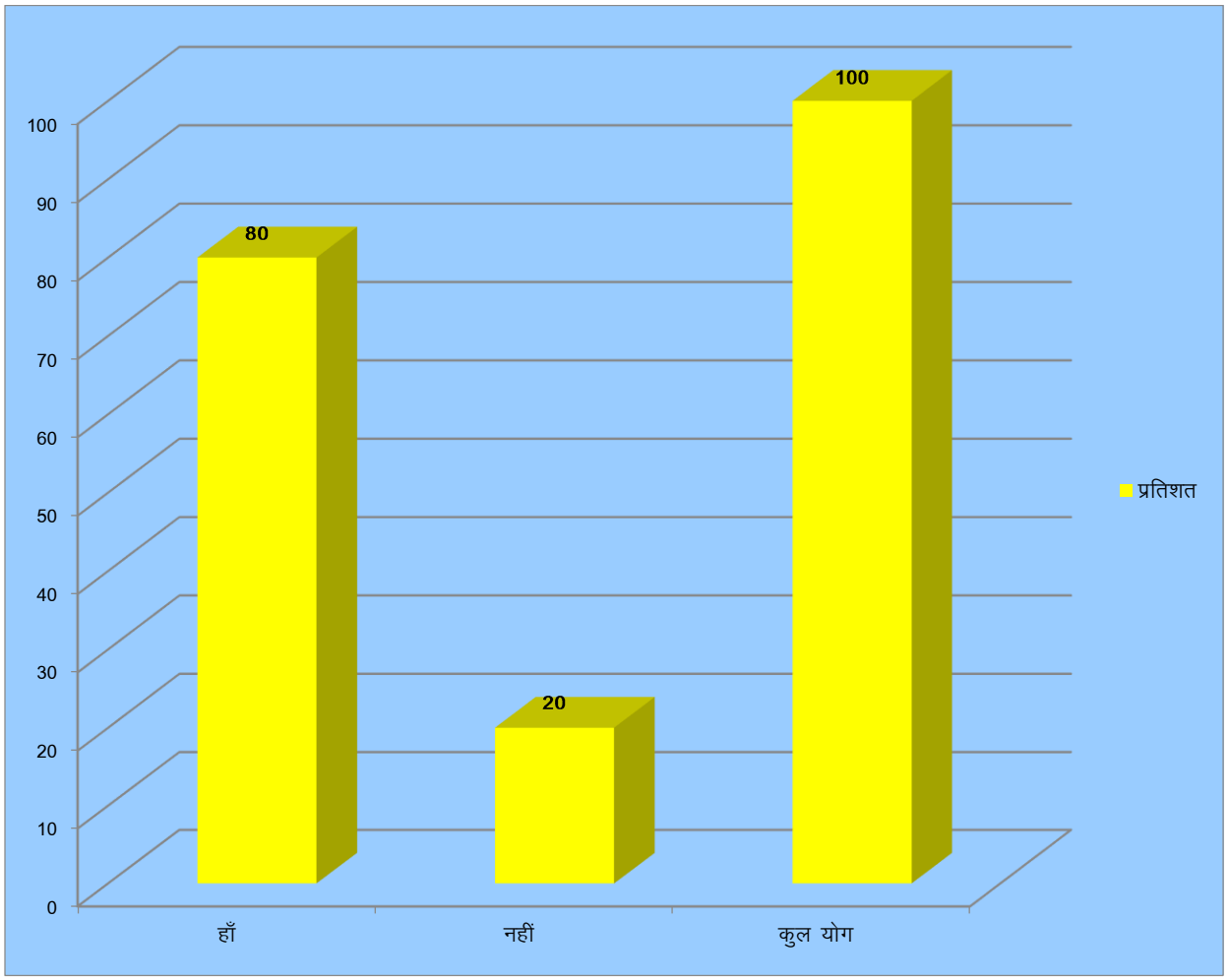

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

तालिका क्रं. 00.02

क्या आप इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	60
2	नहीं	40
	कुल योग	100

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के आधार पर प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2022

उपरोक्त तालिका क्रं. 00.02 से स्पष्ट होता है इंदौर शहर में निवास करने वाली महिलाओं का मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण ये इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य कर रही है ऐसा मानने वाली 60 प्रतिशत महिला उत्तरदाता है, वहीं 40 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं को मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण वे इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य नही ंकर रही है।

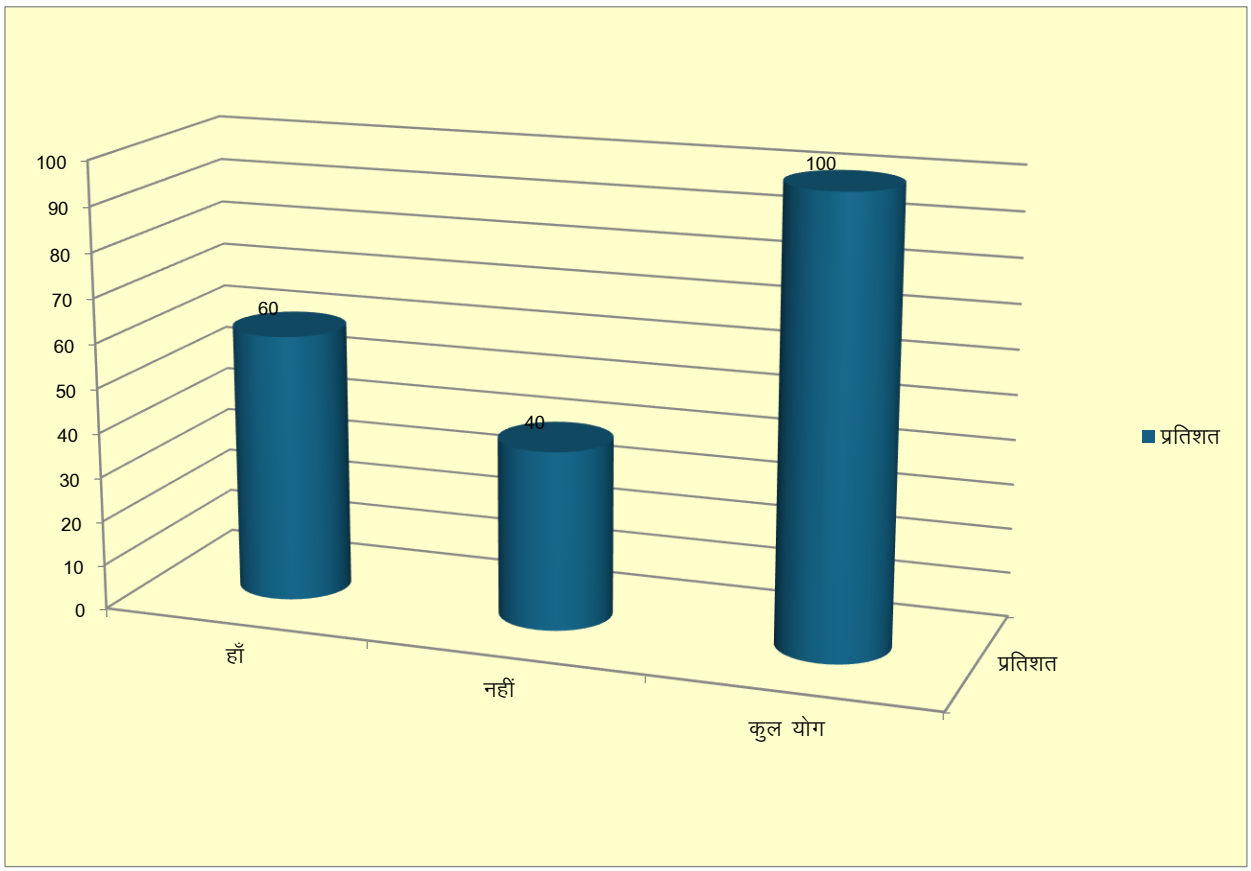

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

तालिका क्रं. 00.03

इन औद्योगिक क्षेत्रों के होने से आपके जीवन में कुछ परिवर्तन आया हैं ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	70
2	नहीं	30
	कुल योग	30

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के आधार पर प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2022

उपरोक्त तथ्यों से ज्ञात होता हैं कि इंदौर शहर में निवास करने वाली महिलाओं का मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण उनके जीवन में कई प्रकार के परिवर्तन हुए हैं ऐसा मानने वाली 70 प्रतिशत महिलाएं है, जबकि 30 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं का मानना हैं कि औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण उनके जीवन में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नही हुआ है।

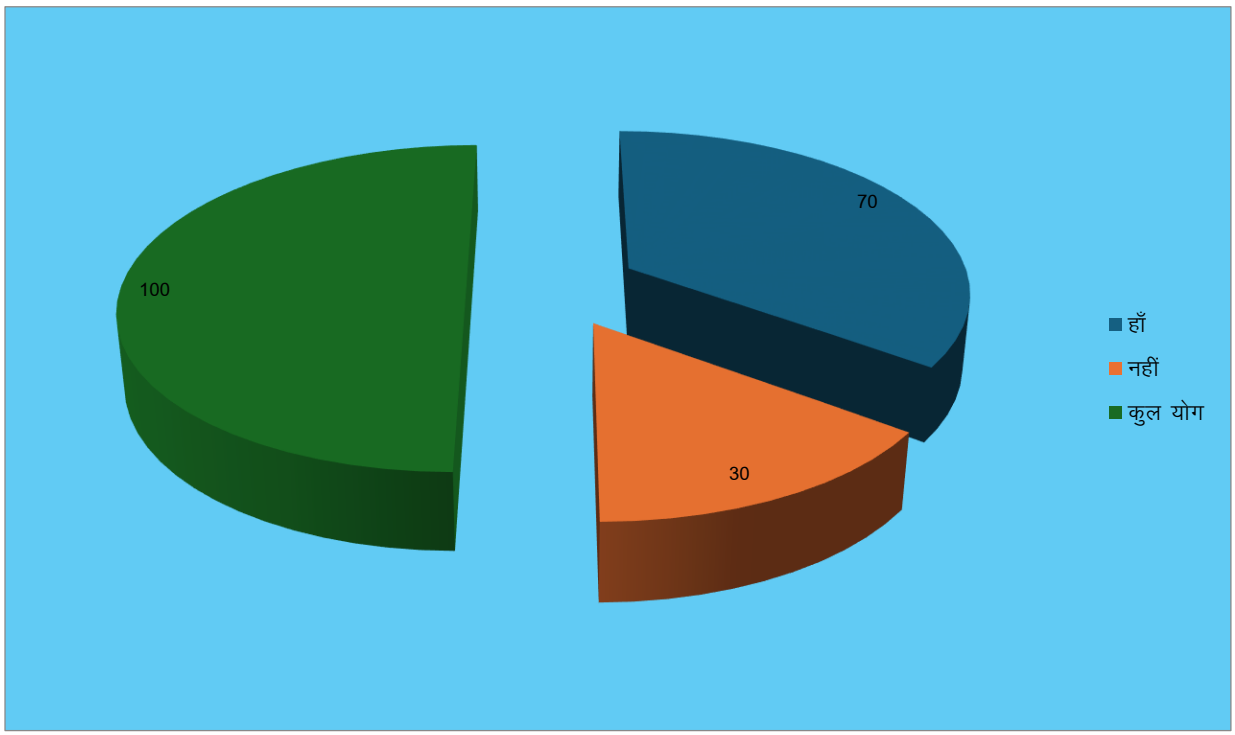

अतः उक्त तथ्यों से ज्ञात होता हैं कि इंदौर शहर में निवास करने वाले अधिकतर महिला उत्तरदाताओं के द्वारा किसी न किसी औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने से उनकी

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, जो महिलाऐं सिर्फ औद्योगिक क्षेत्रों के माध्यम से अपने घर परिवार का पालन पोषण करती है, उन महिलाओं के लिए औद्योगिक क्षेत्र बहुत ही फायदे मंद साबित हुआ है, लेकिन जो महिलाएं सिर्फ समय काटने के उद्देश्य से या फिर किसी कारण वंश औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने के लिए आती है। उन महिलाओं को औद्योगिक क्षेत्रों से मिलने वाले वेतन से कोई परिवर्तन नहीं होता है। इस तरह से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली अधिकतर महिलाओं की आर्थिक स्थिति में किसी न किसी प्रकार से बदलाव हुआ है जो कि उनकी आर्थिक स्थिति को बतलाता है।

शोध के उद्देश्य :–

प्रस्तुत लघु शोध पत्र का उद्देश्य इंदौर जिले में अनेक प्रकार के औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण इन महिलाओं के जीवन में कई प्रकार के परिवर्तन हुए हैं, जिसमें मुख्य रूप से इन महिलाओं की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन है, ये आज सशक्त हो रही हैं, स्वयं के निर्ण ले रही है। यहीं उद्देश्य को ध्यान में रखकर इस लघु शोध को पूर्ण किया गया है।

अध्ययन का स्तर :–

शोध पत्र के अध्ययन के लिए मेरे द्वारा इंदौर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं को अध्ययन के लिए इस लघु शोध पत्र में लिए शामिल किया गया है।

आंकड़ो का संकलन और विधि :–

इंदौर जिले में निवास करने वाली ऐसी महिलाऐं जो कि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रही है, उन महिलाओं को आधार मानकर अध्ययन के लिए आँकड़ो को दो माध्यम से संकलित किया गया है। व्यक्तिगत सर्वेक्षण के माध्यम से अवलोकन किया गया है। द्वितियक स्त्रोत के अंतर्गत प्रकाशित स्त्रोत का अध्ययन किया गया है किसी भी औद्योगिक क्षेत्रों से संबंबधित लेख प्रालेख एवं संबंधित पत्र–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट आदि के माध्यम से आँकड़ों को प्राप्त किया गया है और इनको वर्णनात्मक विधि के आधार पर प्रस्तुत किया गया है।

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

निष्कर्ष :–

इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानाद हैं कि वे जिस जगह पर रहती हैं उनके आस पास अनेक प्रकार के औद्योगिक क्षेत्र है, ऐसा मानने वाले 80 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 20 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाओं का मनाना हैं कि उनके क्षेत्र में कोई भी औद्योगिक क्षेत्र नहीं है।

इंदौर शहर में निवास करने वाली महिलाओं का मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण ये इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य कर रही है ऐसा मानने वाली 60 प्रतिशत महिला उत्तरदाता है, वहीं 40 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं को मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण वे इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य नही कर रही है।

इंदौर शहर में निवास करने वाली महिलाओं का मानना हैं कि उनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण उनके जीवन में कई प्रकार के परिवर्तन हुए हैं ऐसा मानने वाली 70 प्रतिशत महिलाएं है, जबकि 30 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं का मानना हैं कि औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण उनके जीवन में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नही हुआ है।

सुझाव :–

1. इंदौर जिले में और भी नवीन प्रकार के औद्योगिक क्षेत्र खुलना चाहिए, जिससे वर्तमान जो भी कमी इन क्षेत्रों में हो रही हैं, वे पूर्ण हो सके।
2. औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिकाओं को ओर अधिक बढ़ाना चाहिए।
3. महिलाओं के जीवन में होने वाले परिवर्तन में इन औद्योगिक क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
4. इंदौर क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण महिलाओं के जीवन स्तर में परिवर्तन हो रहा हैं, इनके जीवन को बदलने में औद्योगिक क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 1, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. गिरि, व्ही.व्ही. (1957) भारतीय मजदूरों की समस्याएँ एशिया पब्लिशिंग हाउस बम्बई।
2. सक्सेना, डॉ. आर.सी. (1982) श्रम समस्याएं एवं सामाजिक सुरक्षा, रस्तोगी पब्लिकेशन शिवाजी रोड मेरठ।
3. गुप्त रघुराज (1992) औद्योगिक समाजशास्त्र, विकास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
4. दीक्षित ध्रुव कुमार (2002) बाल श्रम उन्मूलन एक चुनौती पॉइटर पब्लिशर्स, जयपुर।
5. गोयल सुनील एवं गोयल संगीता (2003) अभारत में सामाजिक परिवर्तन आर.बी. एस. ए. पब्लिशर्स जयपुर राजस्थान।